मध्यप्रदेश पर्यटन
न्यूज़ लेटर
मध्यप्रदेश टूरिज़्म बोर्ड का प्रकाशन

◄◄◄ जुलाई-अगस्त 2017

मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में टूरिज़्म बोर्ड की पहली बैठक

भोपाल : मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में नवगठित मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की पहली बैठक संपन्न हुई। मुख्यमंत्री श्री चौहान टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष होंगे।

बैठक में टूरिज्म बोर्ड का बैंक खाता खोलने, डिजिटल हस्ताक्षर, भर्ती नियम बनाने, बोर्ड कार्यालय की स्थापना करने जैसे कार्यो के लिये बोर्ड के प्रबंध संचालक को अधिकृत किया गया। संचालक मंडल में आठ सदस्य होंगे।

बैठक में मुख्य सचिव श्री बी.पी.सिंह, अपर मुख्य सचिव वन श्री दीपक खांडेकर, प्रमुख सचिव संस्कृति श्री मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव नगरीय विकास श्री मलय श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री अशोक बर्णवाल, सचिव मुख्यमंत्री एवं बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री हरि रंजन राव एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ग्लोबल स्किल समिट

'पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर' सत्र में सार्थक विमर्श

भोपाल: 'ग्लोबल स्किल एण्ड एम्प्लॉयमेंट समिट' में 'पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर' पर महत्वपूर्ण और सार्थक विमर्श हुआ। सत्र की प्रमुख विशेषता यह रही कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान अचानक इस सत्र में पहुँचे और आम प्रतिभागी की तरह उन्होंने अपनी सहभागिता की। सत्र में राज्य पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष श्री तपन भौमिक, मुख्य सचिव श्री बसंत प्रताप सिंह एवं पर्यटन सचिव तथा पर्यटन निगम के एम.डी. श्री हरि रंजन राव सहित आमंत्रित विषय-विशेषज्ञ और प्रतिभागी मौजूद थे।

शेष पृष्ठ 3 पर

अपनी बात

मध्यप्रदेश में पर्यटन को और अधिक बढ़ावा देने तथा प्रोत्साहन की दृष्टि से राज्य शासन का एक बड़ा एवं महत्वपूर्ण फैसला क्रियान्वयन के धरातल पर आ गया है। प्रदेश में गठित पर्यटन केबिनेट की पचमढ़ी में संपन्न बैठक के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड का गठन होकर पिछली 10 अप्रैल से यह अस्तित्व में आ गया है। बोर्ड ने अपने गठन के उद्येश्यों की पूर्ति की दिशा में काम-काज की प्रारंभिक शुरुआत भी कर दी है। उम्मीद की जाना चाहिये कि इसके गठन से मध्यप्रदेश पर्यटन को और अधिक फोकस्ड होकर पर्यटन क्षेत्र को आगे बढ़ाने और राज्य शासन तथा पर्यटन केबिनेट के फैसलों को जल्द अमल में लाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

यह स्पष्ट है कि टूरिज्म बोर्ड के गठन से अंततोगत्वा सीधा लाभ मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम को ही मिलेगा। इसे लेकर अब कोई संशय या भ्रांति नहीं होना चाहिये। बल्कि बोर्ड के गठन से पर्यटन निगम अब अपने होटल्स और हॉस्पिटेलिटी, बोट क्लब और ट्रांस्पोर्ट बेड़े पर और अधिक ध्यान केन्द्रित कर प्रायवेट सेक्टर और मार्केट में आने वाली नित-नई प्रतिस्पर्धा और चुनौतियों का अच्छी तरह मुकाबला कर सकेगा। होटल और हॉस्पिटेलिटी के क्षेत्र में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिये तैयार रहने और अपने को मार्केट में कायम रखने के लिये अब वक्त आ गया है।

वस्तुत: टूरिज्म बोर्ड एक ऐसी सृजनात्मक और रचनात्मक संस्था या मंच के रूप में उभरकर सामने आयेगा जो मध्यप्रदेश पर्यटन को प्रदेश और देश के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक बेहतर ब्राण्ड के रूप में स्थापित करने की दिशा में पूरी निष्ठा और सक्षमता के साथ काम करेगा। यह पर्यटन के क्षेत्र में शासन की नई उदार और निवेश-मित्र नीति के प्रति निवेशकों को और अधिक आकर्षित करने का उपयुक्त मंच बनेगा और मध्यप्रदेश पर्यटन की खूबियों, विशेषताओं, पर्यटन स्थलों और धरोहरों को विशेष रूप से रेखांकित करेगा। बोर्ड में विषय-विशेषज्ञ की एक ऐसी सृजनात्मक टीम तैयार करने की योजना है जो राज्य शासन की मंशा के अनुरूप तत्परता से काम कर शीघ्र बेहतर नतीजे दे सकें।

पूर्व में भी समय - समय पर हमने इस बात को रेखांकित किया है कि पर्यटन शांति और सुकून का विषय है। मनुष्य जीवन में विश्राम के क्षणों में पर्यटन संभाव्य है। हनुवंतिया, सेलानी, परसिली और पचमढ़ी, माण्डू समेत प्रदेश के अनेक पर्यटन स्थल वाकई सुकून के पल गुजारने के लिये सबसे उपयुक्त स्थान हैं।

टूरिज्म बोर्ड के जरिये मध्यप्रदेश पर्यटन की नई शुरुआत के लिये बधाई और शुभकामनाएँ।

(हरि रंजन राव)
प्रबंध संचालक

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के मुख्य कार्य 'पर्यटन नीति, 2016' के अंतर्गत सभी दायित्वों का निर्वहन करना, पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को आकर्षित करना, इन्वेस्टर्स फेसिलिटेशन, निवेशकों को नीति अनुसार अनुदान एवं सुविधाएँ उपलब्ध कराना तथा निवेशकों को आकर्षित करने हेतु नई नीतियों का आकल्पन, क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग, निजी निवेश से पर्यटन परियोजना की स्थापना को बढ़ावा देने के लिये उपयुक्त स्थल चयन कर लैण्ड बैंक को निरंतर बढ़ाना, प्रदेश में पर्यटन संबंधी समस्त स्थान जैसे, पुरातात्विक स्थलों, वन्य प्राणी स्थलों, प्राकृतिक सौन्दर्ययुक्त गुफाओं, पार्कों, जल क्षेत्रों एवं अन्य मनोरंजक स्थानों के विकास की कार्य-योजनाएँ बनाना और उनके अनुरक्षण के उपाय करना, राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन के प्रोत्साहन से संबंधित विभिन्न आयोजनों में भाग लेकर निजी निवेशकों को प्रोत्साहित करना, मेले, स्थानीय व्यंजन, संस्कृति, वेश-भूषा, हस्तशिल्प एवं हस्तकला के माध्यम से ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहित करना, ईको पर्यटन के लिये आवश्यक व्यवस्थाएँ स्थापित करना आदि होंगे।

इनवेस्टमेंट प्रमोशन यूनिट, योजना, प्रशिक्षण, ईको टूरिज्म एवं एडवेंचर, रचनात्मक एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियाँ, मार्केटिंग, मेला एवं उत्सव, सूचना प्रौद्योगिकी आदि गतिविधियाँ मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के जरिये सम्पादित होंगी। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा पूर्ववत होटलों, रेस्टॉरेंट, बोट क्लब, परिवहन बेड़े आदि का संचालन किया जायेगा।

राज्य पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष श्री तपन भौमिक ने सत्र में कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यटन के जरिये रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में सतत् प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में व्यापक संभावनाएँ हैं। इसी को देखते हुए जल–पर्यटन, होटल प्रबंधन, रेलवे कुली, ऑटो चालक, पर्यटन पुलिस और होम–स्टे योजना में विभिन्न प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 23 हजार 700 लोगों को पर्यटन में रोजगार संबंधी प्रशिक्षण दिया गया है। इनमें से तकरीबन 68 फीसदी लोगों को पर्यटन क्षेत्र में रोजगार और शेष को प्रायवेट सेक्टर में रोजगार मिला है। प्रदेश में निवेश–मित्र पर्यटन नीति लागू की गई है। जल–पर्यटन के क्षेत्र में नई शुरुआत की गई है। हनुवंतिया में इस साल जल–महोत्सव 80 दिन का होगा। श्री भौमिक ने आशा व्यक्त की कि इस सत्र के उपयोगी विमर्श से पर्यटन क्षेत्र को विस्तार मिलेगा।

निगम की तत्कालीन अपर प्रबंध संचालक सुश्री तन्वी सुन्द्रियाल ने मध्यप्रदेश में पर्यटन परिदृश्य पर प्रेजेंटेशन में बताया कि पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार में 13 प्रतिशत ग्रोथ की संभावनाएँ हैं। वर्तमान में पर्यटकों और लोगों का ऑनलाइन बुकिंग के प्रति रुचि और रुझान बढ़ा है। प्रदेश में पर्यटन में निवेश की अच्छी संभावनाएँ हैं। उन्होंने प्रेजेंटेशन में होटल, हॉस्पिटेलिटी, रेस्टॉरेंट, टूर एण्ड ट्रेवल और विजन–2020 के लक्ष्य और उन्हें हासिल करने की रणनीति को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में खुलने वाले नए नेशनल इंस्टीट्यूट में पर्यटन विषय पर एम.बी.ए. का पाठ्यक्रम भी होगा।

महिन्द्रा हॉलिडे एण्ड रिसॉर्ट इंडिया के अध्यक्ष श्री अरुण के. नन्दा ने बताया कि घरेलू पर्यटक प्राय: नजदीकी स्थान पर भ्रमण हेतु जाने के इच्छुक रहते हैं। इसके लिये मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थल सर्वाधिक उपयुक्त हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन में रोजगार की काफी गुंजाइश है। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को लेकर भी अच्छी खबरें मिल रही हैं। मध्यप्रदेश की 'अतिथि देवो भव:' की प्राचीन भारतीय परम्परा और यहाँ की तहजीब पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये पर्याप्त है। श्री नन्दा ने आर.पी.एल. के जरिये प्रशिक्षण कार्यक्रम में समन्वय स्थापित करने की जरूरत बताई।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर के उपाध्यक्ष श्री राजीव मेहरा ने कहा कि देश की अर्थ–व्यवस्था में पर्यटन की अहम भूमिका है। पर्यटन के जरिये रोजगार में लगभग 10 फीसदी का योगदान है। उन्होंने कहा कि ट्रेवल एण्ड टूरिज्म में भी अच्छी संभावनाएँ हैं। श्री मेहरा ने पर्यटन को कठिन परिश्रम वाला क्षेत्र बताते हुए कहा कि युवाओं को रोजगार के लिये आगे आना चाहिए।

होटल एण्ड रेस्टॉरेंट एसोसिएशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया के अध्यक्ष श्री सुमित सूरी ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश के क्षेत्र में अनुकूल वातावरण होने से अच्छे निवेशक यहाँ जरूर आएँगे। राज्य शासन द्वारा रोजगार के क्षेत्र में अच्छी संभावनाएँ और अवसर विकसित कर दिये गये हैं। जरूरत इस बात की है कि इन अवसरों का सही ढंग से लाभ उठाया जाये। श्री सूरी ने कहा कि अच्छे मेनपॉवर की जरूरत सभी को रहती है और वे 'ऑन जॉब ट्रेनिंग' में हरसंभव सहयोग को तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि होटल इंडस्ट्री एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें अपेक्षाकृत कम पढ़े–लिखे लोगों के लिये भी रोजगार के अवसर हैं।

फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन इन इंडिया टूरिज्म एण्ड हॉस्पिटेलिटी के कंसल्टेंट सी.ई.ओ. श्री आशीष गुप्ता ने अपने प्रेजेंटेशन में मध्यप्रदेश में पर्यटन की विशिष्ट स्थिति और खूबियों को और अधिक प्रचारित किये जाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में मल्टीस्किल प्रतिभाओं की भी आवश्यकता है। श्री गुप्ता ने पे–टीएम, गूगल ट्रेवल, फेसबुक, एक्सपीडिया आदि साधनों की चर्चा करते हुए इनके उपयोग पर जोर दिया।

पर्यटन सचिव एवं निगम के एम.डी. श्री हरि रंजन राव ने प्रदेश में पर्यटन की खूबियों की चर्चा करते हुए कहा कि जल–पर्यटन, होम–स्टे और way side amenities आदि क्षेत्रों में नए अवसर उपलब्ध करवाए गए हैं। श्री राव ने कहा कि प्रदेश के बघेलखण्ड विशेषकर रीवा के कुक पूरे देश में जाने जाते हैं। वहाँ के कुक देश भर में काम भी कर रहे हैं।

प्रारंभ में श्री राव ने विषय प्रवर्तन किया। निगम के कार्यपालिक निदेशक डॉ.पी.पी.सिंह एवं श्री ओ.वी.चौधरी ने अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें टूरिज्म सिग्नेचर स्टॉल भेंट किये। प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों के प्रश्नों के समाधानकारी उत्तर दिये गये।

भोपाल में हाल ही में संपन्न पंचायत राज मंत्रियों के सम्मेलन के मौके पर अतिथियों ने बड़े तालाब में क्रूज पर सैर का लुत्फ उठाया और लंच भी किया।

इस मौके पर प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री गोपाल भार्गव सहित केन्द्रीय पंचायत राज, ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री पुरूषोत्तम भाई रूपाला, पंचायत राज मंत्री श्री जुपाली कृष्ण राव (तेलंगाना), श्री राजेन्द्र राठौर (राजस्थान), श्री ओमप्रकाश धनकर (हरियाणा), श्री नारा लोकेश (आंध्रप्रदेश), श्री अलो लीबांगा (अरुणाचल प्रदेश), श्री नाबा कुमार डोली (असम), श्री जयंती भाई आर. केवड़िया (गुजरात), श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी (उत्तरप्रदेश), श्री अजय चन्द्राकर (छत्तीसगढ़) भी मौजूद थे।

अशोक नगर: चंदेरी महोत्सव के दौरान आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति।

सुदूर सीधी जिले के परसिली में घने जंगलों के बीच विकसित रिसॉर्ट एवं पर्यटन केन्द्र ।

भोपाल : मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा जी.एस.टी. पर अधिकारी और मैनेजर्स को प्रशिक्षण दिया गया।

जिसका नहीं कोई सानी, वही है सेलानी

मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा प्रदेश में वॉटर टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। इस कड़ी में प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल ओंकारेश्वर के नजदीक सेलानी नामक स्थान पर एक और जल-पर्यटन स्थल ने पिछले 24 मई को आकार ले लिया है। खण्डवा जिले के हनुवंतिया में विकसित वॉटर टूरिज्म कॉम्पलेक्स की तर्ज पर निर्मित किये गये इस जल-पर्यटन केन्द्र पर बोट क्लब सहित क्रूज, जलपरी, मोटर बोट और वाटर स्पोर्टस आदि की सुविधाएँ उपलब्ध करवायी जायेंगी। इस प्रकार एक निर्जन एवं पहुँच से दूर इस स्थान पर पर्यटकों को ठहरने एवं जल-क्रीड़ा गतिविधियों का लुत्फ उठाने सहित कोलाहल से दूर एक शांत और निर्मल नीर से भरे मनोरम जगह पर अपना कुछ वक्त बिताने की सहूलियत मिलने लगी है।

ओंकारेश्वर के नजदीक पर्यटन निगम द्वारा विकसित सेलानी आईलेंड रिसॉर्ट का 24 मई को पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सुरेन्द्र पटवा एवं राज्य पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष श्री तपन भौमिक द्वारा पर्यटन निगम के स्थापना दिवस पर भोपाल में वर्चुअल शुभारंभ रिमोट के जरिये किया गया।

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा लगभग तीन एकड़ क्षेत्र पर यह पर्यटन केन्द्र विकसित करने की योजना तैयार कर उसे मूर्त स्वरूप दिया गया है। सेलानी लगभग चहुँओर से पानी से घिरे एक टापू के रूप में स्थित है। नजदीक ही ओंकारेश्वर बाँध परियोजना है। परियोजना के समीप होने से इस स्थान पर भरे जल का स्तर वर्षाकाल में भी न तो बढ़ता है और न ही उसके बाद कभी कम होता है। यह टापू चारों ओर से ढलाननुमा बसा हुआ है और यहाँ पर जंगली पेड़ कस्टार, काड़ाकूड़ा, मोहिनी, बियालकड़ी, दही-कड़ी और धावड़ा तथा सागौन की दुर्लभ प्रजाति के पेड़ हैं। छोटी कावेरी एवं पुण्य सलिला नर्मदा का संगम स्थल भी पास में ही है।

राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा तकरीबन 15 करोड़ रुपये की लागत से यहाँ सर्व-सुविधायुक्त कॉटेज, प्रथम तल पर स्थित कॉटेज पर जाने के लिये पाथ-वे, केम्प फायर, मुख्य प्रवेश द्वार, रिसेप्शन, रेस्टॉरेंट, बोट-क्लब, कॉन्फ्रेंस हॉल, नेचुरल ट्रेल, बर्ड-वॉचिंग तथा वॉच-टॉवर आदि का निर्माण किया गया है। यहाँ चार अलग-अलग ब्लॉक में 22 कॉटेज एवं एक सर्व-सुविधायुक्त सुईट बनाये गये हैं। हरेक कॉटेज के पास मिनी गार्डन भी रहेगा। कॉटेज की डिजाइन इस प्रकार बनायी गयी है जिससे कि यहाँ बैठकर ही दूर तलक भरे हुए निर्मल नीर का आनंद उठाया जा सकता है। कॉटेज की बालकनी में बैठकर पर्यटक घने जंगल, पानी और दुर्लभ प्रजाति के पक्षियों को निहार सकेंगे। आस-पास के जंगल में मुख्य रूप से हिरण, जंगली सुअर, तेंदुआ आदि वन्य-प्राणी भी स्वच्छंद विचरण करते हैं। कॉटेज के निर्माण में सागौन की लकड़ी का उपयोग किया गया है। परिसर में लैण्ड-स्केपिंग का काम किया जाकर फर्श पर सेंड स्टोन लगायी गयी है।

रनेह वॉटर फॉल को मिला श्रेष्ठ हॉलीडे अवार्ड

भोपाल : मध्यप्रदेश में खजुराहो के नजदीक स्थित रनेह वॉटर फाल को देश के पसंदीदा वॉटर फॉल के श्रेष्ठ हॉलीडे अवार्ड–2017 से नवाजा गया है। नई दिल्ली में एक समारोह में मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम को यह अवार्ड देश के जाने–माने ट्रेवल एवं इंफॉर्मेशन पोर्टल हॉलीडे आई.क्यू. द्वारा दिया गया।

नई दिल्ली के ताजमहल होटल में संपन्न अवार्ड समारोह में प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह, महिन्द्रा हॉलीडे होम्स एवं रिसॉर्ट इंडिया के संस्थापक एवं चेयरमेन श्री अरुण नंदा, फेसबुक इंडिया एवं साउथ एशिया के एम.डी. श्री उमंग बेदी एवं मेक माई ट्रिप के चेयरमेन श्री दीप कालरा सहित पर्यटन, हॉस्पिटेलिटी, ट्रेवल से जुड़े अनेक प्रतिनिधि मौजूद थे।

रनेह वॉटर फॉल :

विश्व प्रसिद्ध हेरिटेज खजुराहो से मात्र 20 किलोमीटर की दूरी पर रनेह–फॉल स्थित है। खजुराहो के मंदिर जहाँ मानव निर्मित शिल्प के अदभुत उदाहरण हैं, वहीं विशाल रनेह–फॉल की बहुरंगी शुद्ध क्रिस्टल ग्रेनाइट, लाइम–स्टोन, काग्लोमरेट, बेसाल्ट तथा डोलोमाइट की परतदार चट्टानों का अप्रतिम सौन्दर्य पर्यटक को अवाक कर देता है। यही कारण है कि इसकी अदभुत छटा को निहारते विदेशी पर्यटक अक्सर रनेह–फॉल की तुलना उत्तरी अमेरिका के सुप्रसिद्ध केन्यन से करते मिल जायेंगे। बड़ी संख्या में देशी–विदेशी पर्यटक इस अदभुत प्राकृतिक सौन्दर्य का लुत्फ उठाने प्रतिवर्ष यहाँ आते हैं।

बरसात के समय रनेह जल–प्रपात की सुन्दरता देखते ही बनती है। वर्षाकाल के दौरान यहाँ आने वाले पर्यटकों की संख्या भी बढ़ जाती है। यहाँ से कुछ ही दूरी पर पन्ना टाइगर रिजर्व स्थित है।

पन्ना टाइगर रिजर्व के मुहाने पर स्थित रनेह–फॉल देश के ग्रेन्ड केन्यन के रूप में भी जाना जाता है। केन नदी का यमुना से मिलन खूबसूरत रनेह–फॉल बनाता है। केन नदी के जल–प्रपातों ने 5 किलोमीटर लम्बी और 98 फीट गहरी बुन्देलखण्ड ग्रेनाइट तथा विंध्ययन परतदार चट्टानों से केन्यन का निर्माण किया है। गुलाबी, लाल, ग्रे, हरे रंग की विशाल चट्टानों पर पड़ती डूबते सूर्य की किरणें और इनके बीच में हरित नील आभा लिये पानी पर्यटक को किसी दूसरी ही दुनिया में पहुँचा देती है। यहीं केन घड़ियाल अभयारण्य भी है। केन नदी के किनारों पर मगर और घड़ियालों को धूप सेंकते देखा जा सकता है। कुलाँचे भरते हिरण, नील गाय, सांभर, चीतल और रंग–बिरंगी चिड़िया पर्यटक का मन मोह लेती है।

प्रदेश को मिला सर्वश्रेष्ठ वाइल्ड लाइफ डेस्टिनेशन अवार्ड

भोपाल : मध्यप्रदेश को हाल ही में मुम्बई में लोनली प्लानेट मेगजीन द्वारा सर्वश्रेष्ठ वाइल्ड लाइफ डेस्टिनेशन का अवार्ड प्राप्त हुआ है। मध्यप्रदेश पर्यटन की ओर से यह अवार्ड महाप्रबंधक मार्केटिंग एवं ईवेंट श्री युवराज पडोले ने प्राप्त किया। भारतीय पर्यटन उद्योग में यह अवार्ड सबसे प्रतिष्ठित माना जाता है।

टीम वर्क और सीधे संपर्क से हुई बिजनेस में वृद्धि

पर्यटन निगम के सभी रीजनल मैनेजर के साथ पिछली वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान टूरिस्ट मोटल ब्यावरा द्वारा बिजनेस बढ़ाने की दिशा में किये गये प्रयास को सराहा गया था। इसी क्रम में इस यूनिट द्वारा किये गये प्रयासों को यहाँ प्रकाशित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की इकाई टूरिस्ट मोटल ब्यावरा, राजगढ़ जिले में दो राष्ट्रीय राजमार्गो के क्रॉसिंग पर स्थित होने से इसका व्यवसाय बाहरी पर्यटकों पर निर्भर है। लेकिन इसके साथ ही इस इकाई का बिजनेस ज्यादातर शासकीय और अशासकीय विभागों एवं संस्थाओं से मिलने वाले ऑर्डर पर भी निर्भर करता है। बिजनेस प्राप्त करने के लिये स्वत: एवं एस.एम.एस. संदेश और फोन के माध्यम से संपर्क कर इकाई की बेहतर सेवाओं की जानकारी देने के साथ – साथ ''सुरुचिपूर्ण व्यंजनों का आनन्द एक अच्छे माहौल एवं स्वच्छ वातावरण'' की जानकारी अतिथियों और संस्थानों को समय–समय पर दी गई।

इकाई के बिजनेस में वृद्धि के लिये जिले में संचालित एन.आर.एल.एम. के संबंधित अधिकारियों के साथ संपर्क और उनके माध्यम से पर्यटन ट्रेनिंग सेल द्वारा हॉस्पिटेलिटी कोर्स का प्रशिक्षण तीन बेच में आयोजित किया गया। इससे लगभग 13 लाख से अधिक का व्यवसाय प्राप्त हुआ। जिला प्रशासन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं सी.ई.ओ. जनपद पंचायत ब्यावरा एवं नरसिंहगढ़ के साथ संपर्क स्थापित रखने से विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों जैसे गरीब कल्यांण योजना, जिला स्तरीय अन्त्योदय मेला ब्यावरा, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान कल्याण योजना, किसान सम्मेलन जैसे कार्यक्रमों में इकाई द्वारा तैयार किये गये फूड पैकेट्स समय पर और तत्परता से प्रदाय किये गये। इससे लगभग 4 लाख से अधिक का व्यवसाय प्राप्त हुआ।

इसी प्रकार अशासकीय कंपनियों एवं संस्थाओं के साथ सीधे संपर्क से भी बिजनेस प्राप्त हुआ। स्वत: पहल कर इकाई में आने वाले अतिथियों को बेहतर सर्विस देने के लिये इकाई के समस्त स्टाफ को प्रतिदिन ब्रीफ किया जाता है। पिछली गलतियों को नहीं दोहराने और अतिथियों तथा पर्यटकों को बेहतर सर्विस देने, विनम्रतापूर्ण बर्ताव, होटल परिसर की स्वच्छता, खान–पान की शुद्धता एवं सफाई, इकाई के मेन्टेनेंस और रख–रखाव को बेहतर करने के लिये स्टाफ को प्रेरित किया जाता है। बिजनेस बढ़ाने के लिये समय–समय पर क्षेत्रीय प्रबंधक का सहयोग और मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। भविष्य में इसी तरह ''टीमवर्क'' एवं सीधे संपर्क से बिजनेस में वृद्धि के लिये सतत् प्रयास जारी रहेंगे।

◆ **भैयालाल सिंह**

अहा! ज़िंदगी
अबूझ पहेली जैसी दुनिया
गर्मियों में पचमढ़ी क्यों बन जाती है खास।
मध्यप्रदेश
पर्यटन अधिकारियों को दिया जीएसटी का प्रशिक्षण
MP is best wildlife destination
Business Standard MUMBAI | THURSDAY, 1 JUNE 2017
Another Water-Tourism Spot taking shape in Sailani
SEJANI TAPU JUNGLE RESORT
Yet another water-tourism spot has taken shape at Sailani, a spot near the famous religious tourist spot Omkareshwar in Madhya Pradesh. Facilities including boat club, cruise, Jalpari, motor boat and water sports would be made available at this water-tourist centre constructed on the lines of Water Tourism Complex developed at Hanuvantia in Khandwa district. This centre will provide people a peaceful spot full of water that will give them a chance to enjoy water sports activities and spend some time in tranquility in a far-flung area away from the hustle bustle of the city.
the pioneer
Another water-tourism spot takes wings
FREE PRESS
Business Standard MUMBAI (PRINTED IN BHOPAL) | TUESDAY, 30 MAY 2017
Madhya Pradesh State Tourism news
The Raneh waterfall near Khajuraho in Madhya Pradesh has been awarded the Best Holiday Award for 2017. The award was presented to Madhya Pradesh State Tourism Development Corporation by the country's well-known Travel and Information Portal Holiday IQ at a ceremony in New Delhi a few days back. Raneh waterfall is situated about 20 km away from world famous heritage site Khajuraho. According to one of the MPT officials, tourists from all over the country and abroad come here every year to enjoy the natural beauty of Raneh. They often compare it with famous Canyon of north America. The function was
नया इंडिया
ग्लोबल स्किल समिट : पर्यटन क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं
24 MAY 2017
सैलानी टापू के रूप में मप्र में नया जल पर्यटन स्थल तैयार
THE TIMES OF INDIA, BHOPAL
WEDNESDAY, JUNE 14, 2017
CM is chairman of Tourism Board
Bhopal: The first meeting of Madhya Pradesh Tourism Board was held under the chairmanship of the chief minister Shivraj Singh Chouhan on Tuesday. Chouhan became chairman of the board. Managing director of the board has been
like bank account opening, digi
recruitment rules, establishme
the meet. Board will comprise
Chief secretary BP Singh, addit
forest Deepak Khandekar, prin
Manoj Shrivastava and others
टाईम्स ऑफ इंडिया, इंदौर
25 MAY 2017
At Sailani, watch Narmada flow by over a cup of coffee
Island Has 19 Cottages For Tourists
विदेशी सैलानियों के लिए बनाई ऑनलाइन हेल्पलाइन
दैनिक जागरण
सैलानी में आकार ले रहा है एक और जल-पर्यटन स्थल

पश्चिमी मध्यप्रदेश में उभरता नया टूरिस्ट सर्किट
हनुवंतिया, सेलानी, महेश्वर से माण्डू और फिर उज्जैन

सैलानियों की सहूलियत के लिये मध्यप्रदेश के पश्चिमी भाग में एक उपयुक्त टूरिस्ट सर्किट उभरकर सामने आया है। हनुवंतिया वॉटर स्पोर्टस कॉम्पलेक्स से तकरीबन 85 किलोमीटर पहले सेलानी रिसॉर्ट विकसित होने से इस संभावना को जल्द साकार रूप मिला है। यह जगह प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर के नजदीक स्थित है। सेलानी रिसॉर्ट बन जाने से अब पर्यटक हनुवंतिया से सेलानी आकर ओंकारेश्वर, महेश्वर और माँडव तक के इस टूरिस्ट सर्किट की यात्रा का आनंद ले सकेंगे। इसके साथ ही वे इंदौर और प्रसिद्ध तीर्थ स्थली उज्जैन को इसमें शामिल कर धार्मिक पर्यटन का भी लाभ ले सकते हैं। इस सर्किट पर पर्यटक बारहों महीने भ्रमण पर आ सकते हैं लेकिन श्रावण मास में यहाँ आने पर वे भगवान महाकालेश्वर की सवारी के दर्शन का लाभ लेकर 'एक पंथ दोउ काज' की उक्ति को चरितार्थ कर सकेंगे।

पर्यटक इस सर्किट पर जहाँ द्वादश ज्योतिर्लिंग में से दो मुख्य – उज्जैन और ओंकारेश्वर के दर्शन कर सकेंगे वहीं हनुवंतिया के साथ सेलानी टापू पर पानी में सैर, वॉटर स्पोर्टस और रोमांचक गतिविधियों का लुत्फ उठा सकेंगे। श्रावण मास में महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर के दर्शन और जल चढ़ाना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। उधर बारिश के मौसम में माण्डू की हरीतिमा और प्राकृतिक सौन्दर्य देखने लायक होता है। रानी रूपमती और बाज–बहादुर की प्रणय–गाथा आज भी यहाँ के इतिहास से जुड़ी है। रिमझिम बारिश के दौर में जब बादल उमड़–घुमड़कर प्राचीन महलों के बहुत करीब से गुजरते हैं तब वहाँ मौजूद पर्यटकों का मन–मयूर भी जैसे नाच उठता है। माण्डू के प्राकृतिक सौन्दर्य का जितना भी वर्णन किया जाये कम है लेकिन निश्चित ही बारिश में यहाँ की सुंदरता को चार चाँद लग जाते हैं।

इस टूरिस्ट सर्किट पर प्राचीन माहिष्मती नगरी महेश्वर एक ऐतिहासिक पर्यटन स्थल है जहाँ माँ नर्मदा शांत स्वरूप में प्रवाहित हैं। महेश्वर ऐतिहासिक महत्व के साथ मंदिरों की नगरी भी है। होलकर राजवंश के इतिहास को समेटे हुए देवी अहिल्या बाई होलकर के पुण्य–प्रताप से सराबोर है महेश्वर। इतने बरसों बाद भी देवी अहिल्या की स्मृति में हरेक सोमवार को यहाँ पालकी निकाली जाती है जो राज–राजेश्वर मंदिर तक जाती है। इस मंदिर में आज भी 11 अखंड नंदा दीपक प्रज्वलित है। महेश्वर के ऐतिहासिक किले और राजवाड़ा परिसर में

भूतभावन महाकाल की सवारी उज्जैन में इस बार श्रावण मास में 10 जुलाई, 2017 को प्रथम और 21 अगस्त, 2017 को अंतिम सवारी निकलेगी।

''ईश्वर ने मुझ पर जो उत्तरदायित्व रखा है,
उसे मुझे निभाना है।
मेरा काम प्रजा को सुखी रखना है।
मैं अपने प्रत्येक काम के लिये जिम्मेदार हूँ।
सामर्थ्य व सत्ता के बल पर मैं यहाँ
जो भी कर रही हूँ उसका ईश्वर के यहाँ
मुझे जवाब देना है।
मेरा यह सब कुछ नहीं है,
जिसका है उसी के पास भेजती हूँ।
जो कुछ लेती हूँ, वह मेरे ऊपर ऋण (कर्ज) है।
न जाने उसे कैसे चुका पाउँगी।

(महेश्वर स्थित राजवाड़ा में अहिल्या देवी होलकर की कचहरी (जहाँ न्याय व्यवस्था संचालित थी) के बाहर बोर्ड पर अंकित)

देवी अहिल्या की प्रतिमा, गादी और उसके निकट पालकी तथा होलकर राज्य चिन्ह बड़े जतन से संरक्षित और सुरक्षित रखे गये हैं। देव पूजा घर भी है। यहाँ सोने की पालकी में लड्डू गोपाल विराजित हैं। देवी अहिल्या बाई होलकर चेरिटी ट्रस्ट भी संचालित है। तत्कालीन समय में प्रयुक्त शस्त्र भी प्रदर्शित हैं। होलकर राजवंश के शासकों की सूची और उनके फोटो भी यहाँ लगे हैं। देवी अहिल्या ने यहाँ राजवाड़ा का निर्माण करवाकर 1766 में महेश्वर को राजधानी घोषित किया था। उनके पति खांडेराव होलकर के युद्ध में वीरगति को प्राप्त हो जाने से अहिल्या बाई को राज-काज सँभालना पड़ा। उन्होंने 1767 से 1795 तक लगभग तीस वर्ष तक शासन किया। रहन-सहन में सरल और सादगी पसंद देवी अहिल्या शिव भक्त उपासक थीं। राजवाड़ा में अंकित 'महल नहीं छोटा सा घर है' से यह तथ्य स्वत: रेखांकित होता है। उनकी स्मृति में यहाँ वट वृक्ष भी लगा है। अहिल्या के राज-काज में 'सुशासन' पर उनके अपने विचार और उस पर अमल आज भी प्रेरणा के रूप में यहाँ उत्कीर्ण हैं। देवी अहिल्या ने न केवल महेश्वर को सँवारा, मंदिर बनवाए बल्कि काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार भी करवाया था।

मशहूर महेश्वरी साड़ियाँ

जिक्र महेश्वर का हो और यहाँ की मशहूर साड़ियों की चर्चा न हो यह संभव ही नहीं है। देवी अहिल्या ने अपने शासनकाल में हैदराबाद/कलकत्ता से बुनकरों को यहाँ बुलवाकर जिस काम की शुरूआत की थी वह आज महेश्वरी साड़ी के 'ब्राण्ड नेम' से देश-विदेश तक जानी-पहचानी और पहनी जाती है। अनेक परिवारों के रोजगार का जरिया भी यही साड़ी उद्योग है। बुनकरों की रेवा सोसाइटी से तकरीबन साढ़े तीन सौ बुनकर जुड़े हुए हैं। होलकर वंश के रिचर्ड होलकर इस संस्था से जुड़े हैं। महेश्वर स्थित मोमिनपुरा बुनकरों के लिये जाना जाता है लेकिन इसके अलावा अन्य लोग भी साड़ी उद्योग से जुड़कर आजीविका कमा रहे हैं। महेश्वर के मुख्य बाजार के साथ छोटे सँकरे रास्तों-चौराहों पर भी महेश्वरी साड़ियाँ बिक्री के लिये उपलब्ध हैं। महेश्वर का ब्लॉक प्रिन्ट भी उतना ही मशहूर है। लेकिन अब परम्परागत साड़ी उद्योग के आधुनिकीकरण की भी चर्चा सुनाई देती है।

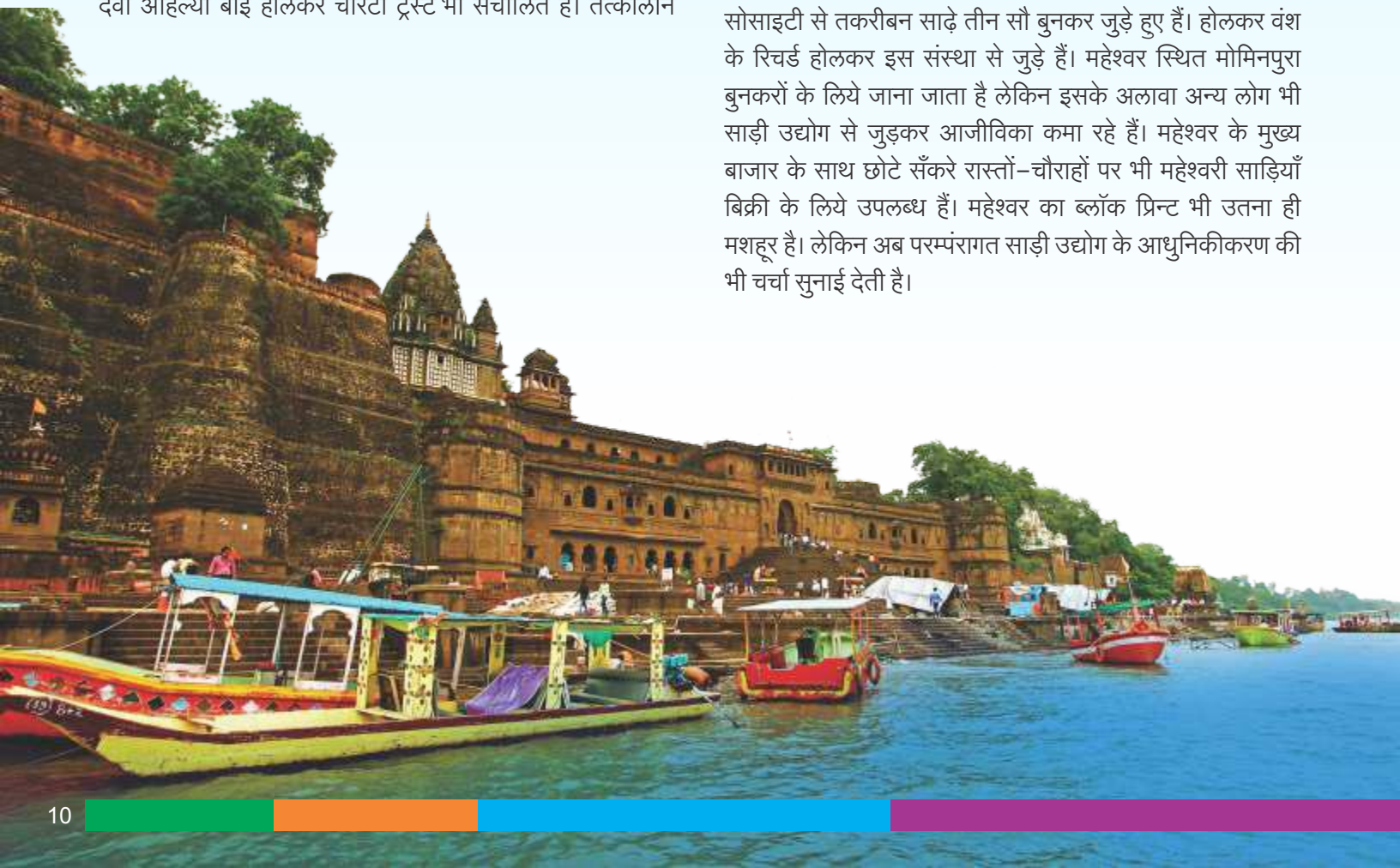

महेश्वर और फिल्में

महेश्वर का फिल्मों से भी पुराना नाता है। बहुत पहले 'तुलसी' फिल्म का फिल्मांकन यहाँ हुआ था। फिर 'अशोका दि ग्रेट', 'यमला पगला दीवाना', 'तेवर', 'बाजीराव मस्तानी', 'मोहन जो दारो' फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी अभिनीत मराठी फिल्म की शूटिंग भी यहाँ हुई। फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार की हालिया फिल्म पेडमेन की शूटिंग भी महेश्वर में हुई है।

महेश्वर में नर्मदा का चौड़ा पाट भले ही शांत स्वरूप में है किंतु सहस्त्रधारा नामक स्थान पर नर्मदा का जल-प्रपात है। चट्टानों से होकर पानी का नीचे की ओर गिरना रोमांच का अनुभव कराता है। यह मनोरम स्थल महेश्वर से मात्र 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

महेश्वर वाकई मंदिरों की नगरी है। नर्मदा के पवित्र तट पर स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर के साथ श्री राज-राजेश्वर का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है जहाँ बरसों से 11 अखण्ड नंदा दीपक प्रज्ज्वलित हैं। यहाँ शिव कोटी मंदिर भी हैं। सुदामा कुटी, राम-जानकी मंदिर, पंढरनाथ आश्रम, जय श्रीराम कुटी, श्रीराम कुटी और संकट मोचन हनुमान मंदिर में मौनी बाबा का आश्रम है। प्रदेश के साथ ही दूर-दूर से श्रद्धालुजन यहाँ पहुँचते हैं। इस आश्रम पर वर्षभर अन्न क्षेत्र संचालित रहता है। नर्मदा परिक्रमा यात्रियों एवं श्रद्धालुओं के लिये ठहरने की समुचित व्यवस्था भी है। इसके लिये आस-पास के गाँवों के लोग यथा-सामर्थ्य सहयोग देते हैं। मौनी बाबा आश्रम की एक अन्य् विशेषता यहाँ प्रतिदिन प्रात: 6 बजे से रात 12 बजे तक अनवरत चलने वाला 'सीताराम धुन' का अखण्ड पाठ है। यह पिछले 6 साल से निरंतर चल रहा है। अपनी आयु के सौ साल पूरे कर चुके मौनी बाबा के आश्रम में हमारी भेंट बाबा से तो नहीं पर हनुमान दास से हुई। उन्होंने बताया कि महेश्वर नर्मदा परिक्रमा मार्ग में शामिल है इसीलिये नर्मदा परिक्रमा यात्रियों की सुविधा के लिये यहाँ अन्न क्षेत्र चलाया जा रहा है। महेश्वर में अनेक संत-महात्मा हैं जो भाव-भक्ति में लीन रहते हैं।

सेलानी

मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा राज्य में वॉटर टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल ओंकारेश्वर के नजदीक सेलानी में एक और जल-पर्यटन स्थल ने पिछले 24 मई को आकार ले लिया है।

अनूठा है उज्जैन का त्रिवेणी संग्रहालय

भारतीय प्राचीन कला, संस्कृति और पुरातात्विक वैभव को समेटे उज्जैन में स्थापित त्रिवेणी संग्रहालय अपने आप में अद्भुत और अनूठा है। पिछले साल सिंहस्थ महापर्व के दौरान उज्जैन को मिली यह ऐसी सौगात है जो चिरस्थायी महत्व की है। त्रिवेणी संग्रहालय की परिकल्पना को जिस सुनियोजित कोशिश के साथ साकार रूप दिया गया है वह अत्यंत सराहनीय है। इसके जरिये न केवल उज्जैन और मालवा अंचल बल्कि सम्पूर्ण मध्यप्रदेश को अनूठी धरोहर मिली है। उज्जैन स्थित रूद्र तालाब, जयसिंहपुर के नजदीक विकसित त्रिवेणी संग्रहालय उज्जैन आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिये राज्य शासन की अनुपम भेंट है। इसमें भारतीय संस्कृति और पुरातत्व का एक साथ संयोजन और समावेश बखूबी किया गया है।

त्रिवेणी संग्रहालय में भारतीय परम्परा की तीन प्रमुख शास्वत धारा - शैवायन, कृष्णायन और दुर्गायन के रूप में भगवान शिव, कृष्ण और शक्ति की प्रतीक माँ भगवती के सभी रूपों को दर्शाया गया है। प्रदर्शनी खण्ड में माँ भगवती के 108 रूप दर्शाये गये हैं जिन्हें कलाकारों द्वारा देवियों की प्रचलित कथाओं के आधार पर साकार रूप दिया गया है। यह सभी दुर्लभ संग्रह हैं। संग्रहालय में शैव, शाक्त एवं वैष्णव दर्शन की प्राचीनतम प्रतिमाएँ संग्रहित की गई हैं। ईश्वरीय शक्तियों के इन तीनों प्रतीकों को संग्रहालय में अद्भुत ढंग से प्रस्तुत किया गया है। संग्रहालय में लगभग 21 सौ वर्ष पुरानी प्रतिमा संग्रहित की गई है। इस प्रतिमा के सहित अन्य प्राचीन प्रतिमाएँ खास तौर पर मध्यप्रदेश की उन्नत और वैभवशाली स्थापत्यकला का परिचय करवाती है।

संग्रहालय में एक स्थान पर सुदामा जी को सिंहासन पर बैठा दिखाया गया है और भगवान कृष्ण नीचे बैठे हुए हैं। इसके जरिये यह दर्शाने की कोशिश की गई है कि पहले आप सुदामा बनें तभी आप कृष्ण को पा सकते हैं। इस प्रकार के अनेक चित्रण प्रदर्शनी गैलरी में प्रदर्शित किये गये हैं जो अद्भुत हैं और वर्तमान युग के लिये प्रेरणा स्त्रोत हैं।

त्रिवेणी संग्रहालय को उसकी मूल अवधारणा और परिकल्पना के साथ साकार रूप देने में देश के विश्व ख्यातिप्राप्त आधुनिक और पारम्परिक शिल्पकारों, आकल्पकों, चित्रकारों और परिकल्पनाकारों

की असाधारण भूमिका और उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। प्रदेश के ओरछा में स्थापित रामायण संग्रहालय के बाद त्रिवेणी संग्रहालय की उज्जैन में स्थापना एक सफल कोशिश के रूप में है।

भारतीय पुरा–वैभव और संस्कृति में रुचि–रुझान रखने वाले पर्यटकों और श्रृद्धालुओं के लिये उज्जैन में अन्य दर्शनीय तीर्थ स्थलों के साथ त्रिवेणी संग्रहालय भी एक अनुपम दर्शनीय स्थल के रूप में है।

◆ आर.बी.त्रिपाठी

राजस्थान पर्यटन के अध्ययन दल ने सराहा मध्यप्रदेश के प्रयासों को

भोपाल: राजस्थान पर्यटन से आये एक अध्ययन दल ने हाल ही में यहाँ मध्यप्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में की जा रही नई पहल और नवाचारी प्रयासों से अवगत होकर इनकी सराहना की। दल के सदस्यों ने पर्यटन सचिव एवं एम.डी. टूरिज्म बोर्ड श्री हरि रंजन राव से भेंट कर प्रदेश में नवगठित टूरिज्म बोर्ड, पर्यटन केबिनेट, नई पर्यटन नीति पर अमल, वॉटर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिये उठाये गये कदम और टूरिज्म में निवेश जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की। राजस्थान पर्यटन के संचालक श्री प्रदीप कुमार बोरार के नेतृत्व में आए दल में अपर संचालक श्री संजय पांडे एवं श्री पवन जैन आदि शामिल थे।

दल को प्रेजेंटेशन के जरिये बताया गया कि प्रायवेट निवेश हेतु 12 यूनिट के लिए लगभग 78 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है। पर्यटन क्षेत्र में निवेशकों को भूमि उपलब्ध करवाई जा रही है। टूरिज्म प्रोजेक्ट में लैण्ड अलोकेसन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी है। मार्ग सुविधा केन्द्रों (मिड–वे ट्रीट) की स्थापना एवं संचालन नीति से अवगत करवाते हुए बताया गया कि इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के उद्देश्य से विभिन्न स्थान पर रोड–शो भी किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में नव–गठित टूरिज्म् बोर्ड के उद्देश्यों और कार्य–प्रणाली, पर्यटन केबिनेट के पृथक से गठन, इन्वेस्टमेंट प्रमोशन सेल, लैण्ड बैंक, सभी जिलों में जिला पर्यटन संवर्धन काउंसिल गठित कर उन्हें क्रियाशील बनाने, हनुवंतिया में तीसरे साल के जल–महोत्समव के आयोजन तथा ओंकारेश्वर के नजदीक विकसित सेलानी आइलैण्ड रिसॉर्ट की जानकारी से भी दल को अवगत करवाया गया। दल के समक्ष संचालक निवेश संवर्धन श्री ए.के.राजोरिया ने प्रेजेंटेशन दिया। इस मौके पर टूरिज्म बोर्ड और निगम के अधिकारी मौजूद थे।

प्रदेश में पर्यटन विकास की प्रचुर संभावनाएँ
केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर द्वारा हेरिटेज सर्किट के कार्यों का भूमिपूजन

ग्वालियर: ''ग्वालियर–चंबल अंचल सहित सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में पर्यटन विकास की प्रचुर संभावनाएँ हैं। आवश्यकता है संवर्धन और सामाजिक संरक्षण की। यह बात केन्द्रीय पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा आयोजित ''पर्यटन विमर्श'' में कही।

केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि देश और प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा ''स्वदेश दर्शन योजना'' शुरू की गई है। इसके जरिये ऐसे सभी स्थलों का विकास किया जायेगा जिनमें देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकता है। इसी कड़ी में भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय द्वारा मुरैना से लेकर ओरछा तक के हेरिटेज सर्किट विकसित करने के लिये 99 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। इसमें से 26 करोड़ के कार्य चंबल गोल्डन ट्रैंगुलर पर खर्च किए जायेंगे। इसका केन्द्र ग्वालियर को बनाया गया है।

श्री तोमर ने कहा कि चंबल क्षेत्र हेरिटेज की दृष्टि से समृद्ध है। इस नए हेरिटेज सर्किट के विकसित होने से इसे नई पहचान मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि मुरैना जिले के पुरातात्विक महत्व के स्थलों को संरक्षित करने का काम उनके पूर्व कार्यकाल में शुरू किया जा चुका है। इसी कड़ी में मुरैना–श्योपुर से लेकर चंबल तक की 350 किलोमीटर क्षेत्र की धरोहरों को संरक्षित करने का काम रामप्रसाद बिस्मिल म्यूजियम में किया गया है। इसका निर्माण पाँच करोड़ की लागत से किया जा चुका है। अंचल के शहीदों को नमन करते हुए कहा कि शहीद पार्क का निर्माण कार्य मुरैना जिला मुख्यालय पर करवाया जा रहा है।

''मध्यप्रदेश में पर्यटन चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ'' विषय पर पर्यटन विमर्श कार्यक्रम के अध्यक्ष राज्यसभा सांसद श्री प्रभात झा ने कहा कि ग्वालियर अंचल पर्यटन और संस्कृति की दृष्टि से समृद्ध क्षेत्र है।

नगरीय विकास मंत्री श्रीमती माया सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश में अनेक ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जिन्हें प्रमोट कर देश और विदेश में लोकप्रिय बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान की पहल पर विकसित किए गए 'हनुवंतिया टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स' को प्रदेश का सिंगापुर कहा जा सकता है।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया ने कहा कि ग्वालियर शहर पर्यटन और पुरातात्विक दृष्टि से समृद्ध है। ग्वालियर किला और उसके आस–पास के क्षेत्र को विकसित कर देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकता है।

पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष श्री तपन भौमिक ने कहा कि निगम द्वारा प्रदेश के संभागीय मुख्यालयों पर पर्यटन संवाद का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में यह दूसरा आयोजन है।

निगम के प्रबंध संचालक श्री हरि रंजन राव ने प्रदेश में पर्यटन विकास के परिदृश्य, अधोसंरचना और टूरिज्म को व्यवसाय के रूप में विकसित करने के लिये बनाई गई कार्य – योजना और लक्ष्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से निगम द्वारा पर्यटन स्थलों पर सॉविनियर शॉप, कैफेटेरिया, पार्किंग, पाथवे, टॉयलेट ब्लॉक, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, पीने के पानी की सुविधा, बैंचेस, डस्टबिन, सोलर फोकस लाइट, सौंदर्यीकरण के अन्य कार्य प्रस्तावित है।

26 करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन

राज्य पर्यटन विकास निगम के तत्वावधान में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा स्वीकृत 26 करोड़ 56 लाख रुपए के कार्यों का शिलान्यास आई.आई.टी.एम. ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम में विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पंचवटी वाटिका भेड़ाघाट में लेजर एवं मल्टीमीडिया शो की शुरुआत

जबलपुर : मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा जबलपुर के नजदीक पंचवटी वाटिका भेड़ाघाट में लेजर एवं मल्टीमीडिया – शो की शुरूआत की गई। लगभग 30 मिनट के इस कार्यक्रम को रोचक और सुरूचिपूर्ण ढंग से तैयार किया गया है। शुभारंभ अवसर पर जबलपुर के सांसद श्री राकेश सिंह ने पर्यटन निगम की इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे भेड़ाघाट आने वाले पर्यटकों को इस स्थान के महत्व और माँ नर्मदा की महिमा ज्ञात हो सकेगी।

सांसद श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान की प्राथमिकता में पर्यटन विकास का कार्य भी है। जबलपुर प्राकृतिक रूप से टूरिस्ट हब वाला क्षेत्र है। माँ नर्मदा किनारे जल – प्रपात और संगमरमर की चट्टानें हैं। भेड़ाघाट पर्यटन के रूप में विकसित हो इसी सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जबलपुर में नर्मदा किनारे सहित अन्य ऐसे स्थान है, जिन्हें पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है। नर्मदा किनारे नर्मदा महोत्सव प्रारंभ किया गया है। भेड़ाघाट में लेजर एवं मल्टीमीडिया – शो की शुरूआत पर्यटकों के लिये एक तोहफा है। भेड़ाघाट से सगड़ा मार्ग का निर्माण 47 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। भेड़ाघाट सहित जबलपुर में पर्यटन विकास के साथ यहाँ के नागरिकों की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। बाहर से आने वाले पर्यटकों को अच्छा वातावरण उपलब्ध कराया जाना चाहिये।

नगर परिषद भेड़ाघाट की अध्यक्ष श्रीमती शैला सुनील जैन ने कहा कि पर्यटन निगम द्वारा लेजर एवं मल्टीमीडिया – शो प्रारंभ हो जाने से भेड़ाघाट में नौकायन एवं धुआंधार जल – प्रपात आने वाले पर्यटकों को नई सुविधा मिलने जा रही है।

कलेक्टर श्री महेश चन्द्र चौधरी ने कहा कि लेजर शो के लिए ऑनलाइन टिकिट भी बुक की जा सकती हैं। पर्यटन निगम के कार्यपालन यंत्री (विद्युत) श्री संजय भटनागर ने बताया कि लेजर एवं मल्टीमीडिया – शो पर 2 करोड़ 25 लाख की लागत आई है।

पर्यटन निगम द्वारा लेजर एवं मल्टीमीडिया शो के आकर्षक और रंगारंग कार्यक्रम का बखूबी संयोजन किया गया है। लगभग 30 मिनट के इस कार्यक्रम में 10 मिनट का वीडियो प्रेजेंटेशन, 10 मिनट का म्यूजिकल फाउंटेन और शेष 10 मिनट में पॉपुलर गीत और फिल्म आधारित लेजर प्रेजेंटेशन शामिल हैं। इसकी स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में ख्यात पर्यावरणविद् स्वर्गीय श्री अनुपम मिश्र और श्री अमृतलाल वेंगड़ का भी योगदान रहा है। इसे लोकप्रिय धारावाहिक 'महाभारत' फेम श्री हरीश भिमानी ने अपनी आवाज दी है। इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

शेयर ट्रांसफर एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर निगम के स्वामित्व में आया होटल लेकव्यू

भोपाल: श्यामला हिल्स स्थित इंडियन टूरिज्म डेवलपमेंट कार्पोरेशन के होटल लेकव्यू अशोका को अब मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित किया जायेगा। इस संबंध में नई दिल्ली में शेयर ट्रांसफर एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किये गये। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय में हुए एमओयू के तहत होटल लेकव्यू अशोका मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के पूर्णत: स्वामित्व में आ गया है। भविष्य में इसका नाम परिवर्तित होकर होटल लेकव्यू होगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस संबंध में स्वयं पहल कर भारत सरकार को पत्र लिखा था। मुख्यमंत्री श्री चौहान, पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सुरेन्द्र पटवा एवं पर्यटन निगम

के अध्यक्ष श्री तपन भौमिक ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए पर्यटन निगम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं।

इस मौके पर प्रदेश के पर्यटन सचिव एवं निगम के एमडी श्री हरि रंजन राव एवं कंपनी सचिव श्री संदेश यशलाहा और होटल अशोका लेकव्यू के जनरल मैनेजर श्री अविनास गजरानी मौजूद थे।

विरासत की पहचान बना विन्ध्य महोत्सव मुख्यमंत्री श्री चौहान : विन्ध्य महोत्सव में

रीवा : मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र की अनमोल विरासत और संस्कृति को समेटे रीवा में पाँच दिवसीय विन्ध्य महोत्सव यहाँ की अनूठी पहचान बन गया है। रीवा और विन्ध्य क्षेत्र अब विकास के पथ पर बढ़ चला है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हाल ही में रीवा में विन्ध्य महोत्सव के समापन अवसर पर यह बात कही। इस मौके पर प्रदेश के जनसम्पर्क मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद श्री जनार्दन मिश्रा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विन्ध्य की अनूठी संस्कृति, विरासत और परम्पराओं पर केन्द्रित विन्ध्य महोत्सव अनूठा स्वरूप ले चुका है। विन्ध्य महोत्सव अगले साल और भी भव्य स्वरूप लेगा।

मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि इस महोत्सव से विन्ध्य की सांस्कृतिक परम्परा संरक्षित और संवर्धित हो रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अगले विन्ध्य महोत्सव में महान सिने – कलाकार

स्वर्गीय राजकपूर की स्मृति में 25 करोड़ की लागत से बने आर.के. ऑडिटोरियम का लोकार्पण हो सकेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विन्ध्य महोत्सव – 2017 की स्मारिका का विमोचन भी किया।

रीवा में पर्यटन गैलरी का शुभारंभ

भोपाल : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने हाल ही में रीवा में पर्यटन गैलरी का शुभारंभ करते हुए कहा कि विन्ध्य महोत्सव ने रीवा को मध्यप्रदेश में ही नहीं बल्कि देश में अलग पहचान दिलवायी है। महोत्सव में कोई न कोई उपलब्धि रीवा के लिये जुड़ती चली गई। श्री शुक्ल ने यह बात पुराने कलेक्ट्रेट भवन में रीवा दर्शन टूरिज्म आर्ट एण्ड कल्चर गैलरी के शुभारंभ कार्यक्रम में कही।

श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा में पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं। रीवा को हवाई सेवा से जोड़ने के लिये एयरपोर्ट पर भी काम किया जा रहा है। श्री शुक्ल ने रीवा शहर को सबसे तेज गति से स्वच्छता की दिशा में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे हौसले को बुलंद करेगा।

महापौर श्रीमती ममता गुप्ता ने कहा कि पर्यटन गैलरी के स्वरूप को जिस तरह से प्रस्तुत किया जा रहा है, वह विन्ध्य को नई पहचान दिलायेगा। संभागायुक्त श्री एस.के.पाल ने कहा कि रीवा प्राकृतिक रूप से सम्पन्न है। तत्कालीन कलेक्टर श्री राहुल जैन ने कहा कि जिला

पर्यटन विकास समिति (डी.टी.पी.सी.) द्वारा विकसित पर्यटन गैलरी रीवा जिले की धरोहर, विरासत को संकलित करने के लिए प्रारंभ की गई है।

आरंभ में उद्योग मंत्री ने पर्यटन गैलरी का शुभारंभ किया और गैलरी में विभिन्न धरोहर, विरासत और पर्यटन स्थलों के चित्रों के साथ ही बनायी गई लाइब्रेरी का अवलोकन तथा वर्ष – 2017 के कैलेण्डर का विमोचन किया। श्री शुक्ल ने विन्ध्य महोत्सव को सफल बनाने में योगदान के लिये अधिकारी–कर्मचारियों को प्रशस्ति–पत्र से सम्मानित किया।

cgrjhu i;klk dk fujUrj tkjh j[k

fuxe dh LFkkiuk fnol ij Jh iVok }kjk vokM forfjr

35 vfèkdkjh&depkfj;k dk fey vokM

निगम के 35 अधिकारी – कर्मचारियों को टूरिज्म अवार्ड प्रदान किये गये। अवार्ड की विशेषता यह रही कि निगम ने छोटे कर्मचारियों को भी पुरस्कृत किया। इनमें श्रेष्ठ सफाई कर्मचारी का अवार्ड टूरिज्म विलेज शिवपुरी के श्री रमाकान्त कुरोसिया, पर्यटन विकास निगम भोपाल के श्री डम्मर बहादुर देबाकोटा को श्रेष्ठ भृत्य, क्षिप्रा रेसीडेन्सी उज्जैन के वॉचमेन श्री पूरन सिंह लड़िया, होटल पायल – खजुराहो के कर्मचारी श्री रामदास काछी को बेस्ट गार्डनर एवं श्री मुन्नालाल पटेल को बेस्ट किचन हेल्पर, क्षिप्रा रेसीडेंसी उज्जैन के श्री जे.बी. ठाकुर को बेस्ट कुक के अवार्ड से नवाजा गया। अन्य कर्मचारियों में यशोधर्मन हाईवे ट्रीट, मंदसौर के श्री आकाश हंश को बेस्ट स्वीपर चन्देरी (ताना–बाना) के श्री बालचन्द्र प्रजापति को बेस्ट गार्डनर, वॉचमेन और सुरक्षा गार्ड परसिली रिसोर्ट के श्री संजय गुप्ता को बेस्ट हेल्पर, बेस्ट प्यून विन्ड एण्ड वेव, भोपाल के श्री सुरेश अंकिल को बेस्ट कुक के लिए अवार्ड से सम्मानित किया गया।

भोपालः पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सुरेन्द्र पटवा ने कहा है कि पर्यटन विकास को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में राज्य पर्यटन विकास निगम के अधिकारी–कर्मचारियों ने जिस टीम भावना से कार्य किया है वह सराहनीय है। श्री पटवा ने निगम के स्थापना दिवस के मौके पर अधिकारी–कर्मचारियों को श्रेष्ठ कार्य के लिये पुरस्कृत करते हुए यह बात कही।

श्री पटवा ने कहा कि जिस पर्यटन निगम को 13 साल पहले बोझ समझकर बंद करने का विचार किया गया था उसी ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रगतिशील नेतृत्व में अपनी कार्यप्रणाली में लगातार सुधार कर फायदे में पहुँचाया है। अधिकारी–कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और श्रेष्ठ दायित्वों के निर्वहन की वजह से आज मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम देश के श्रेष्ठ निगमों में शामिल है। श्री पटवा ने इन प्रयासों को आगे आने वाले समय में जारी रखने के साथ ही यह सोच, नई दिशा और नई तकनीक का इस्तेमाल कर इसमें और उत्तरोत्तर वृद्धि करने का संकल्प लेने का आव्हान किया।

निगम के अध्यक्ष श्री तपन भौमिक ने कहा कि अधिकारी – कर्मचारियों में छोटे कर्मचारियों को भी टूरिज्म अवार्ड से नवाजा गया है। यह एक अभिनव पहल है। इसके लिए निगम द्वारा पहली बार ऑनलाइन आवेदन बुलाकर ज्यूरी द्वारा पूरी पारदर्शिता के साथ पुरस्कार के लिए चयन किया गया। श्री भौमिक ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन के जितने विविध रंग बिखरे हैं, उतने संभवतः किसी अन्य प्रदेश में शायद ही हों। यह प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में श्रेष्ठ राज्य के रूप में तो उभरा है पर हमें इसे विश्व फलक पर लाने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को साकार करने का संकल्प लेना चाहिए।